साखी(कबीर)

कक्षा-दसवी

विषय-हिन्दी

पाठ -३

पाठ का नाम –साखी (कबीर)

PPT-4

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

साखी की पाठ व्याख्या

- पोथी पढ़ि - पढ़ि जग मुवा , पंडित भया न कोइ।
  ऐकै अषिर पीव का , पढ़ै सु पंडित होइ।
- पोथी - पुस्तक
  मुवा - मरना
  भया - बनना
  अषिर - अक्षर
  पीव - प्रिय
- प्रसंग -: प्रस्तुत साखी हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श ' से ली गई है। इस साखी के कवि कबीरदास जी हैं। इसमें कबीर जी पुस्तक ज्ञान को महत्त्व न देकर ईश्वर - प्रेम को महत्त्व देते हैं।
- व्याख्या -: कबीर जी कहते है कि इस संसार में मोटी - मोटी पुस्तकें (किताबें) पढ़ कर कई मनुष्य मर गए परन्तु कोई भी मनुष्य पंडित (ज्ञानी) नहीं बन सका। यदि किसी व्यक्ति ने ईश्वर प्रेम का एक भी अक्षर पढ़ लिया होता तो वह पंडित बन जाता अर्थात ईश्वर प्रेम ही एक सच है इसे जानने वाला ही वास्तविक ज्ञानी है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- हम घर जाल्या आपणाँ , लिया मुराड़ा हाथि।
  अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।
- जाल्या - जलाया
  आपणाँ - अपना
  मुराड़ा - जलती हुई लकड़ी , ज्ञान
  जालौं - जलाऊ
  तास का - उसका
- प्रसंग -: प्रस्तुत साखी हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श ' से ली गई है। इस साखी के कवि कबीरदास जी हैं। इसमें कबीर मोह - माया रूपी घर को जला कर अर्थात त्याग कर ज्ञान को प्राप्त करने की बात करते हैं।
- व्याख्या -: कबीर जी कहते हैं कि उन्होंने अपने हाथों से अपना घर जला दिया है अर्थात उन्होंने मोह -माया रूपी घर को जला कर ज्ञान प्राप्त कर लिया है। अब उनके हाथों में जलती हुई मशाल (लकड़ी) है यानि ज्ञान है। अब वे उसका घर जलाएंगे जो उनके साथ चलना चाहता है अर्थात उसे भी मोह - माया से मुक्त होना होगा जो ज्ञान प्राप्त करना चाहता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य

- पोथी से आप क्या समझते हैं ?
- कबीर येसा क्यों कहते हैं कि धार्मिक ग्रंथ पढ़कर लोग मर गए ?
- सही पंडित कौन है ?
- पीब का अर्थ क्या है ?
- समाज केलिए कबीर क्या संदेश देना चाहता है ?
- कबीर अपना घर क्यों जलाना चाहता है ?
- तास का –इससे आप क्या समझते हैं ?
- कबीर किसके हृदय में प्रेम की भावना जागरूक करना चाहता है ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow